श्री रामनामसंकीर्तनम्

प्रार्थनाः

नान्या स्प्रहा रघुपते हृदयेहस्मदीये सत्यं बदामि च भवानखिलान्तरात्मा ।

भक्तिं प्रयच्छ रघुपुङ्गव निर्भरां मे कामादिदोषरहितं कुरू मानसं च ॥

ॐ श्रीसीता-लक्ष्मण-भरत-शत्रुघ्न-हनुमत्-समेत-श्रीरामचन्द्रपरब्रह्मणे नमः ।

संकीर्तनम्

१। शुद्धब्रह्मपरात्पर राम ।

२। कालात्मक परमेश्वर राम ॥

३। शेषतल्पसुखनिद्रित

४। ब्रह्माद्यामरप्रार्थित

५। चण्डकिरणकुलमण्डन

६। श्रीमद्दशरथनन्दन

७। कौशल्यासुखवर्धन

८। विश्वामित्रप्रियधन

९। घोरताटकाघातक

१०। मारिचादिनिपातक राम ॥

११। कौशिकमखसंरक्षक

१२।   श्रीमदहल्योद्धारक

१३।   गौतममुनिसम्पूजित

१४।   सुरमुनिवरगणसंस्तुत

१५।   नाविकधावितम्रिदुपद

१६।   मिथिलापुरजनमोहक   राम ॥

१७।   विदेहमानसरञ्जक

१८।   त्र्यम्बककार्मुकभञ्जक

१९।   सीतार्पितबरमालिक

२०।   क्रितवैवाहिककौतुक

२१।   भर्गवदर्पविनाशक

२२।   श्रीमदयोध्यापालक   राम ॥

२३।   अगणितगुणगणभूषित

२४।   अवनीतनयाकामित

२५।   राकाचन्द्रसमानन

२६।   पित्रवाक्याश्रितकानन

२७।   प्रियगुहविनिवेदितपद

२८।   तत्क्षालितनिजम्रिदुपद   राम ॥

२९।   भरद्वाजामुखानन्दक

३०।   चित्रकूटाद्रिनिकेतन

३१। दशरथसन्ततचिन्तित

३२। कैकेयीतनयार्थित

३३। विरचितनिजपितृकर्मक

३४। भरतार्पितनिजपादुक राम॥

३५। दण्डकवनजनपावन

३६। दुष्टविराधविनाशन

३७। शरभङ्गसुतीक्ष्णार्चित

३८। अगस्त्यानुग्रहवर्धित

३९। गृध्राधिपसंसेवित

४०। पञ्चवटितटसुस्थित राम॥

४१। शूर्पणखार्तिविधायक

४२। खरदूषणमुखसूदक

४३। सीताप्रियहरिणानुग

४४। मारीचार्तिकृदाशुग

४५। विनष्टसीतान्वेषक

४६। गृध्राधिपगतिदायक राम॥

४७। शबरीदत्तफलाशन

४८। कबन्धबाहुच्छेदक

४९ हनुमत्सेवितनिजपद

५० नतसुग्रीबाभीष्टद

५१ गर्बितबालिसंहारक

५२ बानरदूतप्रेषक राम ॥

५३ हितकरलक्ष्मणसंयुत

५४ कपिवरसन्ततसंस्म्रित

५५ तदगतिविघ्नध्वंसक

५६ सीताप्राणाधारक

५७ दुष्टदशाननदूषित

५८ शिष्टहनूमद्भूषित राम ॥

५९ सीतावेदितकाकावन

६० क्रितचूडामणिदर्शन

६१ कपिवरवचनाश्वासित

६२ रावणनिधनप्रस्थित

६३ वानरसैन्यसमाव्रित

६४ शोषितसरिदीशार्थित राम ॥

६५ विभीषणाभयदायक

६६ पर्वतसेतुनिबन्धक

६७ कुम्भकर्णशिरच्छेदक

६८ राक्षससंघविमर्दक

६९ अहिमहिरावणचारण

७० संहृतदशमुखरावण राम ॥

७१ विधिभवमुखसुरसंस्तुत

७२ स्वस्तितदशरथवीक्षित

७३ सीतादर्शनमोदित

७४ अभिषिक्तविभीषणनत

७५ पुष्पकयानारोहण

७६ भरद्वाजाभिनिषेवण राम ॥

७७ भरतप्राणप्रियकर

७८ साकेतपुरिभूषण

७९ सकलस्वीयसमानत

८० रत्नलसत्पीठास्थित

८१ पट्टाभिषेकालङ्क्रित

८२ पार्थिवकुलसम्मानित राम ॥

८३ विभीषणार्पितरङ्गक

८४ कीशकुलानुग्रहकर

८५ सकलजीवसंरक्षक

८६ समस्तलोकाधारक राम ॥

८७ आगतमुनिगणसंस्तुत

८८ विश्रुतदशकण्ठोद्भव

८९ सीतालिङ्गननिर्व्रत

९० नीतिसुरक्षितजनपद

९१ विपिनत्याजितजनकज

९२ कारितलवणासुरवध राम ॥

९३ स्वर्गतशम्बुकसंस्तुत

९४ स्वतनयकुशलवनन्दित

९५ अश्वमेधक्रतुदीक्षित

९६ कालावेदितसुरपद

९७ आयोध्यकजनमुक्तिद

९८ सर्वचराचरपालक राम ॥

९९ तेजोमयनिजरूपक

१०० संस्रितिबन्धविमोचक

१०१ धर्मस्थापनतत्पर

१०२ भक्तिपरायणमुक्तिद

१०३ सर्वचराचरपालक

१०४ सर्वभवामयवारक राम ॥

१०५ बैकुण्ठालयसंस्थित

१०६ नित्यानन्दपदस्थित

१०७ राम राम जय राजा राम

१०८ राम राम जय सीता   राम ॥

प्रार्थना

भयहर मङ्गल दशरथ राम ।   जय जय मङ्गल सीता राम ॥

मङ्गलकर जय मङ्गल राम ।   सङ्गतशुभविभवोदय राम ॥

आनन्दाम्रितवर्षक राम ।   आश्रितवत्सल जय जय राम ॥

रघुपति राघव राजा राम ।   पतितपावन सीता राम ॥

स्तवः

कनकाम्बर कमलासन जनकाखिल- धाम ।   सनकादिकमुनिमानससदनानघ भूम ॥

शरणागतसुरनायकचिरकामित काम ।   धरणीतलतरण दशरथनन्दन राम ॥

पिशिताशनवनितावधजगदानन्द राम ।   कुशिकात्मजमखरक्षण चरिताद्भुत राम ॥

धनिगौतमग्रिहिणीस्वजदघमोचन राम ।   मुनिमण्डलबहुमानित पदपावन राम ॥

स्मरशासनसुशरासनलघुभञ्जन राम ।   नरनिर्जरजनरञ्जन सीतापति राम ॥

कुसुमायुधतनुसुन्दर कमलानन राम ॥   वसुमानितभ्रिगुसम्भवमदमर्दन राम ॥

करुणारसवरुणालय नतबत्सल राम ॥   शरणं तव चरणं भवहरणं मम राम ॥

भजन (ईमन-कल्याण, ते ओरा)

श्रीरामचन्द्र क्रिपालु भजु मन, हरण-भव-भय-दारुणम्।

नव-कञ्ज-लोचन, कञ्ज मुख-कर, कञ्ज-पद कञ्जारुणम्॥

कन्दर्प अगणित अमित छबि नव नील-नीरज-सुन्दरम्।

पट पीत मानहुँ तड़ित रुचि शुचि नौमि जनक-सुता वरम्॥

भजु दीनबन्धु दीनेश दानव दैत्य वंश-निकन्दनम्।

रघुनन्द आनन्द-कन्द कौशल-चन्द दशरथ-नन्दनम्॥

शिर मुकुट कुण्डल तिलक चारु उदार अङ्गबिभूषणम्।

आजानु-भुज शर-चाप-धर, संग्राम-जित खर-दूशणम्॥

इति बदत तुलसीदास शंकर-शेष-मुनिमन-रञ्जनम्।

मम हृदय-कञ्ज निवास कुरु कामादि-खल-दल-गञ्जनम्॥